[This question paper contains 03 printed pages]

[इस प्रश्न पत्र में 03 मुद्रित पृष्ठ हैं]

Himachal Pradesh Administrative Service Combined Competitive (Main / Written) Examination, 2020

हिमाचल प्रदेश प्रशासनिक सेवा संयुक्त प्रतियोगी (मुख्य / लिखित) परीक्षा, 2020

SANSKRIT (Paper-I)

संस्कृत (पेपर-I)

Time allowed: Three Hours | Maximum Marks: 100

निर्धारित समय: तीन घंटे | अधिकत्तम अंक: 100

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

प्रश्न पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions.

उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को कृपया सावधानीपूर्वक पढ़ें।

1. There are FIVE questions and all are to be attempted.
   इसमें पाँच प्रश्न हैं और सभी प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
2. Question Nos.1, 2 & 3 may be answered either in Sanskrit (Devanagari script) or in the medium of examination opted by candidate.
   प्रश्न संख्या 1, 2 और 3 के उत्तर या तो संस्कृत (देवनागरी स्क्रिप्ट) में या उम्मीदवार द्वारा चुने गए परीक्षा के माध्यम में दिया जा सकता है।
3. All questions carry equal marks. The number of marks carried by a question / part is indicated against it.
   सभी प्रश्नों के समान अंक हैं। प्रत्येक प्रश्न / भाग के नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Write answer in legible handwriting.
   सुपाठ्य लिखावट में उत्तर लिखें।
6. Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in answer book must be clearly struck off.
   प्रश्नों के प्रयासों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। आंशिक रूप से दिए गए प्रश्नों के उत्तर को भी मान्यता दी जाएगी यदि उसे काटा नहीं गया हो। छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णत: काट दीजिये।
7. Re-evaluation / Re-checking of answer book of the candidate is not allowed.
   उम्मीदवार की उत्तरपुस्तिका का पुनर्मूल्यांकन / पुन: जाँच नहीं की जाएगी।

---

1. (a) Disjoin the following *padas* quoting relevant Sutras: (10)

अधस्तनेषु पदेषु सूत्रोल्लेखपूर्वकं सन्धिविच्छेदः क्रियताम्

जगदीशः, शम्भू राजते, उच्चारणम्, तच्छ्लोकेन

(b) Indicate the case-ending in the following underlined words referring relevant sutras:

अधःप्रदत्तेषु रेखाङ्कितेषु सूत्रोल्लेखपुरस्सरं विभक्तिनिर्देशो विधीयताम् (10)

<u>नृपाय</u> स्वस्ति भवतु, अलं महीपाल तव <u>श्रमेण</u>, <u>शशिना</u> सह याति कौमुदी, <u>मानवेषु</u> न पण्डिताः, नृपः <u>सिंहासनम</u>ध्यास्ते।

OR

अथवा

(a) Indicating the name of compound in the following words explain their dissolution:

अधःप्रदत्तेषु पदेषु समासनाम उल्लिख्य तत्र विग्रहः प्रदर्श्यताम्: (10)

यथाविधि, युधिष्ठिरः, घनश्यामः, युवजानिः

(b) Change the following sentences into active or passive voice as applicable: (10)

अधोलिखितवाक्यानां यथायोग्यं कर्मवाच्येऽथवा कर्तृवाच्ये परिवर्तनं क्रियताम् :

लोकेभ्यः श्रीमद्भगवद्गीतां ददति

मयाध्यक्षेण सूयते प्रकृतिः स चराचरम्,

ते रोटिकाः खादतः,

शुभ्रा गीतानि गायति।

2. Elaborate the contribution of Bhartrihari to the Sanskrit Linguistics. (20)

संस्कृतभाषाविज्ञानाय भर्तृहरेः योगदानं विविच्यताम्।

OR

अथवा

Describe the statement वक्रोक्तिः काव्यजीवितम्.

'वक्रोक्तिः काव्यजीवितम्' कथनमिदं विविच्यताम्।

3. Comment on the statement अविनश्वरा भारतीया संस्कृतिः (20)

'अविनश्वरा भारतीया संस्कृतिः' कथनमिदं समीक्ष्यताम्।

OR

अथवा

Explain the स्याद्वाद of Jaina Philosophy.

जैनदर्शनस्य स्याद्वादसिद्धान्तः विविच्यताम्।

4. Translate the following passage into Sanskrit: (20)

अधोलिखितगद्यांशस्य संस्कृतानुवादो विधीयताम्:

हमारा देश स्वर्ग से भी बढ़कर है। स्वर्ग भोगभूमि है, परन्तु भारत है कर्मभूमि। आत्मविकास की पूर्णता की साधिका यह भारतभूमि है। आर्यसंस्कृति एवं स्वतन्त्रता की भावना से ओत-प्रोत है। भारत के इतिहास में आध्यात्मिकता की धारा बहाने का श्रेय आर्यों को ही है। उन्होंने स्वार्थ तथा परमार्थ का मंजुल सामंजस्य प्रस्तुत कर विश्व के समक्ष एक सुन्दर आदर्श उपस्थित किया है। सत्यं शिवं और सुन्दरम् की भावना ही इस राष्ट्र को महान्न बनाती है।

OR

अथवा

Another important objection against the present courses of Sanskrit study is that they are based on a partial view of Sanskrit literature. Sanskrit literature in India is the result of thousands of years of development and contains treasures in the form of Vedas, Upanishads, Ramayana and Mahabharat etc. which are the most precious heritage of Indian Civilization and which every Indian justly ought to feel proud. An acquaintance with these different phases of Sanskrit literature is necessary for having a comprehensive idea as regards for their cultural values.

5. Write a short essay in Sanskrit on the following topic: (20)

अधोलिखितेषु कमप्येकं विषयमवलम्ब्य संस्कृतभाषया अनतिदीर्घः एकः निबन्धो लिख्यताम्:

अचलो हिमाचल: सचलो हिमाचल:

OR

अथवा

व्यासोच्छिष्टं जगत्सर्वम्

*****